तर्ज- दीवानों से ये मत पूछो
यह इश्क रब्द भी खूब हुआ,देखो हमपे क्या गुजरी है
माशूक के दिल में आशिक है,अब दोनों पे क्या गुजरी है

1- जिस इश्क रब्द में हम खुद ही,
प्रीतम का इश्क गंवा बैठे
यह दुनियां वाले क्या जाने,
हम दोनों पे क्या गुजरी है

2- है अरस परस हम दोनों ही,
लेकिन नासूत में बैठे हैं
लेकर ये बेशक इलम मगर,
शक में हमपे क्या गुजरी है

3- माशूक का रूतबा बड़ा है अगर,
तुम जाहिर होकर ले जाओ
हम तड़पा करें तुम भी चुप हो,
खामोशी में क्या गुजरी है

4- वह इश्क हमें अब लौटा दो,
जो चाहत है तुम्हें निसवत की
मेहेबूब मेरे तुम देखा करो,
माशूकों पे क्या गुजरी है

Nijanand App